

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळें.

—: हस्त लिखित साहित्य संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

५१६३ (१६३)

ग्रंथ नाम

लाला आरत्या  
श्लोक.

विषय

मराठी काव्य.

क्र. नं. २

मराठी.

काविता

द. क्र. ११

५९६५/१९७७



३११ कोवण्या इ.

नाम देव, रामदास, शांति नर, मुळाबाई, स्वयंशुभा  
 हरीपाठ, नाटिका संग्रह, १२

(1)

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसरस्वत्ये ॥

॥ नमः श्रीमद्गुरवे नमः ॥ श्रीलक्ष्मी ॥

॥ व्यंकटेशाय नमः ॥ श्रीरामचंद्र ॥

॥ अवि रल म द ज ल नि व न च म र कु ल नी क से ॥

॥ विल क्रे यालं ॥ अ सा तां कामे रंग ण ॥

॥ पति वंदे ॥ भा या कु र हार ध व ला या शु भ्र

॥ व स्रा भृ ता ॥ या की ल सं डिल क रा या श्वेत

॥ प न्ना स ना ॥ या ब्र ह्मा व्यु त शं कर प्र भु ति भि दे वै

॥ स दा वं स्ति ता ॥ सा मां पा तु सर स्व ती भ ग व ती

॥ निः शेष जा ट्मा प हा ॥ २ ॥ गुरु ब्र ह्मा गुरु वि द्यु

॥ रु दे वो मे रु श्वरः ॥ गुरु रे व परं प ल त स्त्रे श्री

॥ १ ॥ २ ॥ श्वरं तं दे तरे ते



(2)

॥ श्रीरामचंद्राय नमः

॥ श्रीलक्ष्मीविक्रेशाय नमः

॥ मासे गुणदोशजरि निच्यारिणि ॥ केवळपाररिणि  
 ॥ ओह देवा ॥ १ ॥ आंगुष्ठापासुनि मस्तकपरियेव ॥  
 ॥ आख हृदय छव अचरको ॥ २ ॥ स्वप्नमज्जुसी  
 ॥ बंध लिवा दिवकी ॥ पुस सीविर कि को हुनि  
 ॥ यग ॥ ३ ॥ लुचि मासा गुन लुचि मासा स्वामि ॥ सक  
 ॥ क आवर या मि गा दो दुज ॥ ना नाम अ पे मा  
 ॥ से चुक विज न्म मरण ॥ नि कर विहाण क मया पा  
 ॥ ५ ॥

॥ लवणि ॥

(2A)  
 ॥ राजस राजग राप रासु दरा पाह निया धालो ॥  
 ॥ आपु लियानि ज धरा वा लो ग माय ॥ धा  
 ॥ गुरु पर वि वि न्म ॥ मा म न फा व सा लो ॥  
 ॥ मरण सि मार ॥ आपु ला अप प वि  
 ॥ श्वाच द प पी डिल ॥ या ज लो ग मा य ॥ १ ॥  
 ॥ वा ज स ॥ १ ॥ वा लु द्या ना ॥ पु वे ल ता चि न य ॥ बो  
 ॥ ला वि स्म य हो या ॥ ध व्प मा सि गुरु मा य ॥ म ल द  
 ॥ विलि नि र वा न सो य ॥ लो प लि आ का श भो  
 ॥ य ॥ सर्व त्र प भु वि पा हु न पर ले जा ॥ गि व विल  
 ॥ या सि जा प ग मा य ॥ राज स ॥ २ ॥ दे व दे व र्च



(2B)  
 ॥ न सो ड स आ र्च व कर वि मान स पु जा ॥ दे व  
 ॥ क क्का वा कि द ज ॥ ओ सा भा व च वा हि मा  
 ॥ सा ॥ सह ज स सह जि वो जा ॥ ने ना व वे स ले  
 ॥ ने धा ने पे स ले भु कि व रि ल भु कि का जा ग  
 ॥ मा य ॥ वा ज स ॥ ३ ॥ ना द वी दु क्क ल जा ति  
 ॥ दा ह क रि क ल काल पा ॥ इ ना ना च क ल स

॥ ३ ॥

(3)

॥ ३ ॥

॥ वाप ॥ कोशरी नाथ प्रताप ॥ जाले सुम्पु  
॥ न्यपाप ॥ जक गारा जिवनो गोसासि वदिन  
॥ समरसला ज्ञान ॥ राजस ॥ ४ ॥



(4)

नंवेपानी लिहिले ॥ अमंग ॥

॥ केरावकैवलमप्राप्तु ॥ १ ॥ नारायणे उधरिलांजा

॥ ज्यामुळे ॥ २ ॥ माधनमनिधरानिश्चु ॥ ३ ॥ गोवि

॥ दगोपाळगोकुचिचा ॥ ४ ॥ १ ॥ विष्णुनिश्चुवाजि

॥ लांवा ॥ ५ ॥ मधुसूदनमारुलिसकला ॥ ६ ॥ त्रिनी

॥ क्रमेरक्षितेगोकुळा ॥ ७ ॥ वामनेपाताळावलि

॥ नेरुळा ॥ ८ ॥ २ ॥

॥ मनुजासावधसावधरे ॥ काळयाळतुजळगिळ

॥ तसेसंगजे ॥ देवदयानीधीआयुरुगासुडी ॥ पाल

॥ विभाबवजे ॥ १ ॥ हिताहितमनानविचारिसि

॥ सांकुसिनेरुसदा ॥ २ ॥ कर्दसालोळसिवातु

॥ धिक्मानुसिसो ॥ जलकोनिसरेसुख

॥ तविसवेगळउष् ॥ प्रथामविरामपडेप

॥ गबेलसिरामके ॥ (नुज्या) ॥ सोहजळा

॥ प्रसिवांबविलोकुनिशालिततेथउडि ॥ हंसग

॥ गनीच्यातारानिरुनिउदकीदेतबुडा ॥ मृग

॥ जसामृगनासाउपेसुप्रिहितबुद्धिकुडा ॥ तंवि

॥ सखाहरिसाउनिमादुरिहिसिदेशधडि ॥ २ ॥

॥ आंवषासुंविहरितुंविहरि ॥ तुंजावनमीलहरा ॥ ५ ॥

॥ जनकाजनकतुंवृषजीवळमखाकरुणासिधु ॥ १ ॥

॥ निजरंगनिजपाहा ॥ आंवषासुंचितंमीनाहि ॥ २ ॥

॥ आत्मावसुधानळहिबुडो ॥ वरिहिनममंडळहापडो ॥

॥ निश्चयानिश्चयामजजावा ॥ हासहसानउडो ॥ ५ ॥

॥ असेलप्रालम्बीतेतवनचुकेंकर्मकधी ॥ मृगजळात

॥ वकूशीहोणेविषमहबुद्धि ॥ १ ॥ जनलणेहोवें ॥ पारि

॥ मोनपाहेसाकडे ॥ साधनसाधाव ॥ जेणेपरमात्मा



Sansthan Mandal, Dhule and the ...  
Wahab Khan Pratishthan ...  
Mumbai

॥ जोडे ॥ २ ॥ असे करणे ॥ लक्ष्यो मासि

॥ जन्माचे येथे संकट निस्तारणे ॥ ३ ॥ सर्व

॥ दक्षिणाच्या येणे गोड करूं समुज्जी आन

॥ येथ उपाय नसे जे काळी ॥ ध्यावाचि न

॥ यवन माळी ॥ ४ ॥ निजरंगाबापा मज

॥ बरि करिकां अनुकंपा निश्चय निश्चय

॥ भजता मार्ग दाविसि सोपा ॥ ५ ॥

॥ करूनिया पातक आलो मी रारण ॥ पाया आ

॥ पिमान असो घावा ॥ १ ॥ सकळ हि दोष यउले

॥ अमाय ॥ कितितरिकाय सांगु देवा ॥ २ ॥

॥ जैसा ते सातरि अहेतु सा दास ॥ धरिया लि

॥ कास भाव वळे ॥ ३ ॥ तुका ह्मणे मी तो पा

॥ त किच वरी ॥ ४ ॥ तता राशरण तुज

॥ काय पुंज रे ॥ ५ ॥ न पासि ॥ ता तडि

॥ पावसि पुंज ॥ ६ ॥ काय केसा माझी

॥ देखि लिखा घरि ॥ ७ ॥ तौ तु स उ करि पाधारिसि २

॥ कोण मी गुणा आये साथोर मोठा ॥ व्याप

॥ राधी करंटा ना रायणा ॥ ३ ॥ तुका ह्मणे नाहि

॥ ठाउ के संघिता येणे नसे हित के ले ॥ ४ ॥ ५ ॥ १२

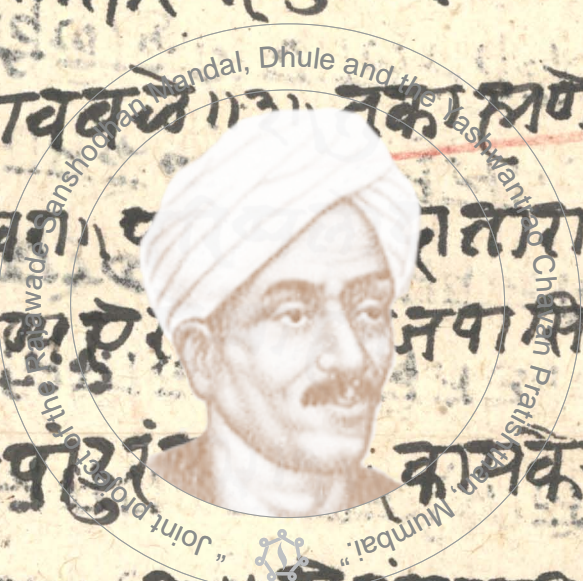
॥ त्राहे त्राहे अंन तां मज सो उ विष न ता ॥ कु ला

॥ गोदे म मता तुसे पायी ॥ १ ॥ ये कचि सा गणे दे

॥ रंतु सी गोडि ॥ न लागे आवडि आणिका यि ॥ ३ ॥

॥ तुसे ना म गुण वर्णि न प सोउ ॥ आवडि जा कोडे ना

॥ चोरंगा ॥ ३ ॥ बापा विठ ल राय हेचि देई दान ॥



Joint project of the Maharashtra Sahitya Akademi, Dhule and the Maharashtra Sahitya Akademi, Mumbai.

॥ जो उतिल्लरण जणे तुसे ॥ ४५ ॥ आवडले तैसे  
 ॥ मागी तले जी ॥ तुका लणे करि समाधान ॥ ५५ ॥  
 ॥ मासी पावेळ ये नालि खेळ ॥ जावा सि केवळ  
 ॥ आवोलणा ॥ मूलपविले मुख न देवो न पना ॥  
 ॥ पकासि चोरोनि पराचरे ॥ १५ ॥ आया पाचारा  
 ॥ गनकचे धरिलो कां मास्या विटलानबोल  
 ॥ सि ॥ ३ ॥ रागे जो न तरि बोला नारायणा ॥ ला  
 ॥ नौ चरण तुका लणे ॥ ४ ॥ ५ ॥ ४ ॥  
 ॥ आला तुसी वास पाहान सो देवा ॥ केकाजी के शोवा  
 ॥ मूल आता ॥ १५ ॥ तुला वीण आला आहे कोपा दुजे  
 ॥ हे से विघारि सिराम राया ॥ २ ॥ चकोरा सि ध्यान  
 ॥ चंद्रमा चै सदा ॥ ले वि श्री जो विंदा आला लागी ॥ ३ ॥  
 ॥ नमो लजरी वरिजा ॥ तसे ॥ करु आजि कै से  
 ॥ दिता ना घा ॥ १ ॥ २ ॥ ने आमुचे सर्व स्व ॥  
 ॥ जाणोनि मने धर ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥  
 ॥ करिसे लं कि नंद ॥ मासा थपि कर ॥ १ ॥ हाम  
 ॥ जे विचार पडिय ला देवा ॥ दे सि कि न दे सि पाया  
 ॥ चंद्र रक्षण ॥ सुणो नि मा म ना थिर ब स ही ॥ २ ॥  
 ॥ बोल सि कि न बाल सि म ज स वे दे वा ॥ सुण उ नि के  
 ॥ श्राधा धीर ना हि ॥ ३ ॥ तुज मा सा अ थ व हो य कि न हो  
 ॥ म ॥ पडि ला सं दे ह हा मि म ज ॥ ४ ॥ तुका लणे मी तो  
 ॥ क मा र्श ना हि न ॥ सुण उ नि या सी न वा टे दे वा ॥ ५ ॥ ६ ॥  
 (6B)  
 ॥ काय तुसे वेचे म ज प्रो टि दे ता ॥ बच न बोल ता ॥  
 ॥ ये क सो न ॥ १ ॥ काय तुसे रूप ने तो मी चो रा नि ॥  
 ॥ सा म्णे ल पो नि रा हि ला सि ॥ २ ॥ काय तुसे आ  
 ॥ ला च रा वें वे कु ठ ॥ अ उ न को प्रो ट दे र्ई अ ला ॥ ३ ॥  
 ॥ तुका लणे तुशी न लगे द सो डि ॥ परि आ हे आ की  
 ॥ दर श ना चि ॥ ४ ॥ ५ ॥ ७ ॥ ५ ॥ ५ ॥



Dr. Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai



(7)

॥ नकीगमो कलु दिन पंढिसया ॥ तुजविण आताको  
 ॥ णपावे ॥ १५ ॥ आपराधाच्या रासि पाहुंनको काहि ॥ ये  
 ॥ गविठाबाई सडकरि ॥ २५ ॥ मास्या दोशा साटि पाटिमो  
 ॥ राहोसि ॥ पाव नब्रिदासि लागेबोल ॥ ३५ ॥ नामा लणे  
 ॥ जनानि तुंजिय रापर ॥ तारिले आपारज उजीवा ॥ ४५ ॥  
 ॥ कितितुसावाट पाहुंमी विठला ॥ कंठ हाशोकला आ  
 ॥ ब्रविता ॥ ५५ ॥ अमुनि निवर्ण काय पाहातोसि ॥  
 ॥ पाव हृषीकेश मज लागी ॥ २॥ गजेंद्रा कारणे  
 ॥ अकांशिधां वसि ॥ पाव हृषीकेश मज व्याता ॥ ३॥  
 ॥ जिवना वेग जात जमकी प्रासा ॥ तैसे जाले दा  
 ॥ सातु को वासि ॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥

(7A)

॥ कितितुज फासि देउंमी पाले रा ॥ जाणसि जंत  
 ॥ रापांडुरंग ॥ १॥ आता रासि पाहुंनको काहि ॥ ये  
 ॥ करि माझे तें ॥ २॥ गजाल तरिका  
 ॥ पुत्रये माना ॥ बा ॥ वेणकाय दुसरे ॥ ३॥



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ तुका लणे तुसा ॥ गिके ॥ मागे बाळगी  
 ॥ कस मयांचे ॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥  
 ॥ सर्व काळजे जावे सो नारायण ॥ पडो आशी  
 ॥ मान आता मध्ये ॥ ११॥ चाउपडे मास्या ॥ १२॥ जे  
 ॥ नेमा पे वरि ॥ वाचे नर हरि उधारा वा ॥ २॥ जे

(7B)

॥ अंतरिचे सर्व जाणपण ॥ व्यवहार वचन आहे ते ये ३  
 ॥ संशय रणा गजात हो मज माजी वा ॥ तुका लणे  
 ॥ भावये कवीध ॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥  
 ॥ ११॥ आणा क म्या या वे कीणा का कु ल ति ॥ का  
 ॥ य का माये ति आंत काळी ॥ १२॥ तुंजिय मशी  
 ॥ सखी होसि पांडुरंगे ॥ लव करिये गे माय मा  
 ॥ से ॥ २॥ काया वाया मने हेचि ऐसे करि ॥ पा

॥ उलि साजि रचिति तुसी ॥ तु का ह्यणे माझा पुर  
 ॥ वि आस ॥ च उं ब्र ह्म रस भोज नासि ॥ ४ ॥ ५ ॥ ५१२  
 ॥ पा पा ह्यणे तरि व्य ठ वितो पाय ॥ दो श ब ली का  
 ॥ य त या हु नि ॥ अ अ रा वि चार आ द्या लितो  
 ॥ का उ णी ॥ का य व कृ पा णी नि जे लासि ॥ १ ॥ ये क वे  
 ॥ ज्ज नाम पु त्रा चे नि मि से ॥ ये त ला ये कै से पा प  
 ॥ ने ले ॥ ३ ॥ तु का ह्यणे अ ग वै कुं ठ ना य का ॥  
 ॥ पिं ता कां से ब का आ पु लिया ॥ ४ ॥ ५१३ ५ ५५

॥ बौ ध्या न तार मा सी या अ दृ ष्टा ॥ मो म्प मु खे नि ष्टा  
 ॥ ध रि यो लि ॥ १ ॥ आ ले क ल यु ग मा सि पा क पा णी  
 ॥ हां का रि ता जे चा ॥ २ ॥ लो का वि या वे  
 ॥ जे का म य भु र्भु ज ॥ उ ज्ज व ल ता सा ॥ ३ ॥  
 ॥ आ च का य तु से वे ॥ रा य णा ॥ कां न ये  
 ॥ क रु णा तु का ह्य णे ॥ ४ ॥ ५१४ ५ ५५ ॥



॥ पा ति ता चि ला ज रा खा वी अ नं ता ॥ पा या सि  
 ॥ स र्व भा ष्यं त र न ये जे ॥ १ ॥ पा ति त ह्य णो नि आ  
 ॥ लो मी श र ण ॥ न वा वि प्र ण पां डु रं गा ॥ २ ॥

॥ वै कुं ठि चा पा ति भ क्त र्प्यं ता म णी ॥ प्र तु क्ष न  
 ॥ पा नि दे खि ये ला ॥ ३ ॥ तु का ह्य णे दे वा खा मी  
 ॥ ना रा य णा ॥ सां भा जा वे दि ना आ पु लिया ॥ ४ ॥  
 ॥ न को म ज अ ता द व डु श्री ह रि ॥ मा ग व या मो का  
 ॥ रि ख लो द्द रा ॥ १ ॥ भु के लो र पे च्या व य ना कार  
 ॥ णे ॥ अ शा ना रा य णा पु र ना वि ॥ १ ॥ तु का ह्य णे  
 ॥ म ज पे उ त्रि दे ई प रि ॥ कुर वा लु नि पो टि ध रि  
 ॥ म ज ॥ ३ ॥ ५१५ ५ ५५ ॥

॥ राम मासीनाय कहि सेटेल ॥ कोर सेई  
 ॥ ल अलिगण ॥ १ ॥ संसारिचे दुःख दाटले  
 ॥ मानसि ॥ ते ते प्रीजे पासि सांगेन ॥ २ ॥ उता  
 ॥ वेळ चित्त उभारो निबाहे ॥ रामदास पाहे वार  
 ॥ तुसी ॥ ३ ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥  
 ॥ कोण ह्मणे अह्लासीनले भागले ॥ तुज  
 ॥ विण उबगले रामराया ॥ १ ॥ कोणापे सां  
 ॥ गावे शेचे मातुके ॥ कोण कवतुके बुसाविले  
 ॥ आठवितो जैसी पाउस कुरंगणी ॥ पडिय  
 ॥ लिया वनिता हन शुक्र ॥ ३ ॥ तुका ह्मणे  
 ॥ मासे कोण ह्मणे ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥  
 ॥ मी सरा पातित ॥ वन आता आतु  
 ॥ मान कास पारि ॥ आता मज काहि  
 ॥ मासीची तानस ॥ तुसे नाम नसे ॥ तुसे  
 ॥ नाम कैसे वाचे येइल ॥ २ ॥ समर्थ घेतला  
 ॥ नावा लागी भार ॥ मज उपकार कास पा  
 ॥ या ॥ ३ ॥ रामदास ह्मणे तुज अहे उणे ॥  
 ॥ सोयरे पिसुणे हांसा लीले ॥ ४ ॥ १९५५  
 ॥ मासे सर्व जाको तुसे नाम राहो ॥ हाचि मासा  
 ॥ माच अंतरिया ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥  
 ॥ उद्धरावे ॥ आपुले रावावे ब्रिदेवा ॥ २ ॥  
 ॥ रामदास ह्मणे देवा तुसा जाण ॥ ब्रिदा



(10)

॥ साटि प्राण द्यावालागे ॥ १३ ॥ २०५२ ॥

॥ राघव उपासये मास्य मंदिरा ॥ जान

॥ किच्या वारा रात्र सया ॥ १५ ॥ चित्त सिंघार

॥ जडले तुसे पाई ॥ धावो निया येई तमरा

॥ या ॥ २ ॥ संसाराच्या संगे दुःखी फार जा

॥ ले ॥ स्रजो निया आलो राण तुज ॥ ३ ॥

॥ त्राहे त्राहे <sup>त्राहे</sup> <sup>त्राहे</sup> <sup>त्राहे</sup> <sup>त्राहे</sup> ॥ येतुनि कात हे

॥ दुःखा माजि ॥ ४ ॥ प्रेम पै सुदंत उभा

॥ हानि बाहे कातर शी पाहू राम

॥ दास ॥ ५ ॥

॥ चक्र चायप काहानि

॥ जाले प्रज प्रतिने सेवता ॥ ६ ॥

॥ वधान देखता गायी बुंबर ति ॥

॥ जाले प्रज प्रतिने से आता ॥ ७ ॥

(108) ॥ जीव ना वेगचे मळ तळ मळि ति ॥

॥ जाले ॥ ३ ॥ नामा स्रणे से वाटे म

॥ जाचि ति ॥ करित से खं ति फार तु

॥ सी ॥ ४ ॥ २२५ ॥ ॥ ५ ॥



॥ काय मांसां आता मासा पा हा तो सिखांत ॥  
 ॥ येई बाघा वतराम राया ॥ ॥ ॥ मासा जीवा होई  
 ॥ लतुज बांचु निष्कांत ॥ येई बा ॥ २ ॥ असे ज  
 ॥ रि काम भेटु निया जात ॥ येई बां ॥ ३ ॥ ये रे ये  
 ॥ रे देवाना मातुज बा हात ॥ येई बाघा वतराम  
 ॥ रायां ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

॥ नवर्ण वेवाचे जन्म मरण चे दुःख ॥ दावि  
 ॥ आता मुख राम राया ॥ १ ॥ कुराजिया केशी

(11A) ॥ भाजी गोपे टीळक ॥ दावि आता ॥ २ ॥

॥ भौवयां अर्च ॥ त सुख ॥ ३ ॥  
 ॥ विअता ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥



॥ नाशिक ॥ दावि आता ॥ ४ ॥ कर्णिवि  
 ॥ कुं उले नवर्ण वेम कंटक ॥ दावि अता ॥ ५ ॥  
 ॥ अधर अरु दंत इंदु हु निष्कांत ॥ दावि

(11B) ॥ आता मुख ॥ विष्णु दासना मातुसे चि बाळक

॥ दावि आता मुख राम राया ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥  
 ॥ वरे धाउ निया आला से गोविंद ॥ सावध सा  
 ॥ वध नाम देवा ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥  
 ॥ बोले ॥ कर फुरवाळी खेव दन ते का ॥ २ ॥

(12)

॥ समजावोनि देव धरिये लपोटिसि ॥ बोले  
॥ रेमजसि नाम देवा ॥ ३ ॥ नामा ह्रणे देवा  
॥ उंसिरकांकेला ॥ कावोमासा तुलाआला  
॥ राग ॥ ४ ॥ ५२ ॥ ५२ ॥ ५२ ॥

॥ चंद्रभागेतिरि हे कियेलि गोष्टि ॥ वाल्मि  
॥ केशोतकोटियंथकेला ॥ १ ॥ तेकामा  
॥ श्यायिताफारजाले कुरा ॥ दृषा प्याअ

(12A)  
॥ युष्मगमा विले ॥ ३ ॥ ह्रणोनि महाद्वारा  
॥ विठोसि विन ॥ लीका नेकेलेरा  
॥ सायंण ॥ ३ ॥ टिकरिन तुसेअ  
॥ अंग ॥ ह्रणप ॥ केनाप्या ॥ ४ ॥

॥ तयेकाळी होतीअपुष्पान्विवृद्धि ॥ अता  
॥ चिआवधीथोडिआहे ॥ ५ ॥ आसेनमोखरा

(12B)  
॥ भक्त तुष्टा देवा ॥ सिद्धिसहामावापणमा  
॥ सा ॥ ६ ॥ नामा ह्रणे जरिन होता संपूर्ण  
॥ जि कूउ तरिन तुज पुटे ॥ ७ ॥ ६५ ॥  
॥ कायआला गति कोणहासिपुसावे ॥ साध  
॥ नक रावे कायअ ह्री ॥ १ ॥ तुजवीण मज  
॥ सांगआहे कोण ॥ दाख विनि जें यरणानज

॥ दृष्टि ॥ २१ ॥ पतितपावना हरि गपंटरिच्या

॥ राया ॥ सांगगा ॥ उपायादि नजना ॥ २५ ॥

॥ वर्णकुळगेत्रवांकरजाला ॥ लोकिकसांगी

॥ लानिंदुनिया ॥ ४ ॥ ॥ निवृत्तिसोपानपूर्ण

॥ तेमुक्ताई ॥ ज्ञानदेवपाईलागतसे ॥ ५ ॥

॥ लुणवितोदासनेनाहिकरणी ॥ आतव

॥ रिदोकि फिनेभाव ॥ ६ ॥ गातोनाचतो

॥ विदाखवितोजना ॥ प्रेमनेाहिनेरोपेणे

(13A) ॥ अंगी ॥ २ ॥ पाहिजेतेवर्मनकळेचिकाई ॥

॥ बुडालोपाडारि ॥ ३ ॥ भांडवल

॥ काळेहातोहा ॥ मापजोलाविले

॥ आयुष्यासि ॥ ४ ॥ पूर्णवयागेलेहे

॥ आयुष्य ॥ होइलपांहांसेजगामालि ॥ ५ ॥

मज ॥ आभयदानदेईगाउदारा ॥ ६ ॥ दुपेच्यासागरा

॥ पांडुरंगा ॥ ७ ॥ देहभावठेवियेलातुसापायां

(13B) ॥ आणीककाहिनेणदुजे ॥ ८ ॥ सेवाप्रतिभा

॥ वनेणेमीपतिता ॥ आतामासेहिततुसेका

॥ ई ॥ ९ ॥ व्यावधानिरोपिलातुजदेहभाव ॥

॥ आतामजपावपांडुरंगा ॥ १० ॥ तुका लुण



(14)

॥ तुझे नाम दिनानाथ ॥ तें मज उचि त करि

॥ आता ॥ ५ ॥ २९ ५९ ॥ ५५ ॥

॥ आत्मा स्वर्ग सुख मानु जैसे वो क ॥ देखुनिया

॥ सुख पंढरिये ॥ १ ॥ न लगे वै कुंठ न वाणु कैला

॥ स ॥ सर्व खाचि वा सराप पाई ॥ २ ॥ न लगे ध

॥ न मान आणी क संपत्ति ॥ ये क अ से चि त्ति पा

॥ य तुझे ॥ ३ ॥ स सु किं माई क हे माझे बोलणे

॥ तुझे तुंचि जाणे सांगे हरि ॥ ४ ॥ जीव भा

(14A)

॥ व आत्मी सांजु ने ॥ मामालोटां

॥ गणी महाद्वार ॥ ३० ॥

॥ कोठे गुंतला सियोगीयाचे ध्यानी ॥ आ

॥ नंद कीर्तनी पंढरिया ॥ १ ॥ काय काजको

॥ ठेप उली असे गुंति ॥ कानी न प उ ति बोल

॥ माझे ॥ २ ॥ काय शष शयनि सुखेनि द्राजा

॥ लि ॥ सोय कां सांडिलि मा प्रदेवा ॥ ३ ॥

॥ लुका ह्मणे कोठे गुंतले तिसांगा ॥ कि

॥ ती पांडुरंगा वाट पाहूं ॥ ४ ॥ ३९५ ॥





॥ कागमाशीतुजनयेकवज्जा॥ आसु

॥ निजवज्जाहृदयस्था॥ १॥ निराकारानि

॥ गुणाजाभंगनारायणा॥ केलाशोक

॥ नेणकंठस्फोट॥ २॥ काहोदेवाचितपा

॥ वना॥ विश्रान्ति॥ इंद्रियाविगति सुंदेचिना॥

॥ ३॥ तुकासुणेमाहापरियेलाकोप॥

॥ कायमाशेपापसरलेनाहि॥ ४॥ अ॥

॥ स्वामीतोहिकैसानपडसिउजे॥

॥ सुंदरसांचेचायवपवीर॥ १॥ रांख

॥ चक्रगदरुजेते॥ कुडलेतज

॥ पतिश्रवणादे॥ चतुर्भुजमाळा

॥ रुजेयेकावजी॥ कसुरिनिउचीरेखिये

॥ लि॥ ३॥ तुकालणे स्वामीतरिदाविपा

॥ य॥ धाउंगेमायेकपावंते॥ ४॥ तुझीका

॥ दासाचाजालोदिनदास॥ नकरीउदासकां

॥ उरंग॥ १॥ तुजविणप्राणकेसाराहुंपाहे॥ वि

॥ योगनसाहपांउरंग॥ २॥ आणाकमासा

॥ जीवमोकलीलिअशा॥ पाहेतुसरा

॥ कासपांउरंग॥ ३॥ सर्वतुसेठाइलाउ

॥



(15A)

(15B)

॥ निचित ॥ राहिलोनि श्रित तु से पाई ॥४॥

॥ तु का ह्यणे तु ज अ से मा सा भार ॥ बोल

॥ तो फार का य जाणे ॥ ५ ॥ ३४५२ ५

॥ केशव कैवल्य कपाडु ॥ १ ॥ नारायणे धरिता आ

॥ जा गेळु ॥ २ ॥ मधव मनि धरानि श्वकु ॥ ३ ॥ गो

॥ वीद गोपाल गोकुलि चार ॥ १ ॥ निष्णु विश्वा

॥ चा जिहाळा ॥ २ ॥ मधुसुदन मा लिसकळा ॥ ३ ॥

॥ श्रीविक्रमेशरी छे गोकुल ॥ ४ ॥ वासणे पात

॥ ला बळि नेला ॥ ५ ॥ अधिरे धरी ली श्री

॥ शृपावे ॥ ६ ॥ रा ॥ शिवरे चेत हि ॥ ७ ॥

॥ पप्र नाम उल ॥ ८ ॥ ॥ १ ॥ दा मोदर

॥ गोवि पांडव वसी ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ कर शणे अजु

॥ ना संनाद केला ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ना सुदेवे आन चिता वा

॥ ली वधिला ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ प्रदुग्ने समुद्रा वरि क्षोभके

॥ ला ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ अणिसुधे छे दिळा सहस्रवाह ॥ ३ ॥

॥ पुरुषोत्तम थोर केला पुरा शार्थ ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ आधे

॥ धजे हिरण्यकस्य पाचा धात ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ नार सीत

॥ प्रकृष्ट रक्षक ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ स्मर गा च्युत स्वामि मा री

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ जे नार्दने वावणा दिक्क वध के ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ मुपरि रेग

॥ णी केश मुध नीले ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ इरि इग मपला दोश पळा

॥ छे ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ छणे मुधरी का परी दीरि ति ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ या

॥ चो निमाना माचि करि ता नी वन ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ मा हा दो

॥ हा डोय दहन ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ निष्णु दासना मा करि ता



Joint project of Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥ बोलन ॥ २७ ॥ चरणी ध्यान मज दपावे ॥ २७ ॥ ७ ॥  
 ॥ उठि उठिरे गोपाल नु या डि स्वसप छो नना ॥ सरर की व  
 ॥ वीक्षारानी उदयो जा लार नि कि पा ॥ धि ॥ वै दि ये गो  
 ॥ धने ने र नि गु न न ना ॥ सु ही ली म गु वा र गु न गु ज  
 ॥ वी न ना क ली को न ॥ १ ॥ प्र बो ध पा हा हा जा  
 ॥ ली सर ले नि मी र ल म व ज ॥ गुर रु पे चे अ न गो द र  
 ॥ अ ली सुरंग सम जे ज ॥ आ हा दि ण क र पा दि गु ग  
 ॥ वे ता का कि स ह ज ॥ नि वी च द्रा चे म ड क स ह जी  
 ॥ स ह ज नि स्ते ज ॥ उ ठि ॥ २ ॥



॥ कोठे गुंतला सीकवणाच्या धांवया ॥ अ लि दे व  
 ॥ रायानिद्रा तूज ॥ १॥ कोठे गुंतला सिभकि प्रेम सु  
 ॥ रेव ॥ नखुटलि पुरे गंगोपिकाचि ॥ २॥ काय तूज  
 ॥ पडले कवणाचे संकट ॥ दुरी पंथ वाट चालवे  
 ॥ ना ॥ ३॥ काय मासे बोल न पडती कानी ॥ काय  
 ॥ चक्र पाणि पाहूस्तसां ॥ ४॥ काय जोल नरणे  
 ॥ मासिया कपाळा ॥ उरला जीव डोकं तूका ह्य  
 ॥ णे ॥ ५॥ ६॥ ३५॥ जके मासी काय लागला वो  
 ॥ ठावो ॥ धांवरे केशव माय बापा ॥ १॥ पेट लि सकळ  
 ॥ कांति रोमावकी ॥ धांवरे डोळे दहन जाळे ॥ २॥

(18A)  
 ॥ फुटु निभांग हानी पाहलो सि काय ह्य  
 ॥ दय मासे ॥ वे न धाव लव लांही ॥  
 ॥ पोडो तो सी काय वे काही नचले यथ ॥  
 ॥ २॥ तु का ह्ये मा सी हो सी तु जे न नी ॥ ७॥ णि क नी



॥ र्वा नी को ठा उडे ॥ ५॥ ३६॥ को ठा च्या आ धारे कं टी  
 ॥ तो मी काळा जाण सी सकळ जंतरी यंथ ॥ ६॥  
 ॥ न्दा रये णा को र्वा च्या रो व म नी न का की से वा  
 ॥ नी रा हुं म ज रा भी तु हे कें कर ल जी वाळ ता कु  
 ॥ का म ज वी ठे ले जा पंगा वे ॥ ७॥ तु का म णे कि तीं

(18B)  
 ॥ यं उ का कु ल ती ॥ कां लि ह्क पा चि नि उ प जो द्या  
 ॥ वि ॥ ४॥ ५॥ ३७॥ तू सा दा से से ल ण ती सक  
 ॥ क ॥ ल ण उ नि सं भाळ करीं मा सा ॥ १॥ अ ना  
 ॥ था चा ना थ प लि त पा व ना हे आं ला ज ल न करीं ना



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com